

कात्यायनीपुत्र पुं. (तत्.) कात्यायनी का पुत्र, कार्तिकेय।

काथिक पुं. (तत्.) कहानी लिखने वाला या कहने वाला व्यक्ति।

कादंब पुं. (तत्.) 1. कदंब का पेड़ या फल, फूल 2. एक प्रकार का हंस, कलहंस 3. ईख 4. बाण 5. शराब, मदिरा, कदंब की बनी शराब वि. (कदंब संबंधी) सामूहिक।

कादंबर पुं. (तत्.) 1. दही की मलाई 2. ईख का गुड़ 3. कदंब के फूलों की शराब 4. मदिरा 5. हाथी का मदा।

कादंबरी स्त्री. (तत्.) 1. कोकिल 2. सरस्वती 3. मदिरा 4. मैना 5. बाणभट्ट की लिखी आख्यायिका की नायिका का नाम।

कादंबिनी स्त्री. (तत्.) 1. मेघमाला, घटा 2. मेघ राग की एक रागिनी।

कादिर पुं. (अर.) 1. ताकतवर 2. सामर्थ्यवान 3. भाग्यवान।

काद्रव पुं. (तत्.) गहरे पीले रंग का।

काद्रवेय पुं. (तत्.) 1. कद्रु का पुत्र 2. नाग, सर्प 3. तक्षक

कान पुं. (तद्.) वह इंद्रिय जिससे शब्द का ज्ञान होता है, सुनने की इंद्रिय, श्रवण, श्रुति, श्रोत्र मुहा. कान उठाना- आहट लेना, चौकन्ना होना; कान उड़ जाना- लगातार देर तक कड़ा या गंभीर शब्द सुनने से कान में पीड़ा और चित्त में घबराहट होना; कान उड़ा देना- हल्ला गुल्ला करके कान को पीड़ा पहुँचाना; कान काट लेना- अधिक चतुर होना; कान उड़ाना- ध्यान न देना; कान उमेठना- दंड देने के लिए कान मरोड़ना, दंड द्वारा चेतावनी देना, कोई काम न करने की कड़ी प्रतिज्ञा करना जैसे- मैं कान उमेठता हूँ फिर कभी गलती न करूँगा; कान कतरना- दे. 'कान काटना'; कान करना- सुनना; कान काटना- नीचा दिखाना; कान का कच्चा- शीघ्र विश्वासी जो दूसरों के बहकावे में आ जाए; कान का

पतला- हर तरह ही बात को मान लेनेवाला; कान की मैल निकलवाना- सुनने में समर्थ होना; कान खड़ा करना- चौकन्ना होना, सजग कर देना, भूल बता देना; कान गरम करना या कर देना- कान उमेठना; कान भुन्नाना- तेज आवाज सुनने से काम का सुन्न हो जाना; कान छेदना- बाली पहनने के लिए कान की लौ में छेद करना; कान दबाना-विरोध न करना; कान देना- ध्यान देना; कान धरना- ध्यान से सुनना; कान न दिया जाना- न सुना जाना; कान पक जाना- ऊब जाना; कान पकड़ना- दंड देना, अपनी भूल स्वीकार करना, तोबा करना फिर न करने की प्रतिज्ञा करना; कान पकड़कर उठना बैठना- एक प्रकार का दंड जो लडकों को दिया जाता है; कान पकड़कर निकाल देना-अपमानित करके बाहर कर देना; कान पड़ना, कान में पड़ना-सुनने में आना; कान पर जूँ न रेंगना- कुछ भी परवाह न करना, बेखबर रहना; कान पर हाथ धरकर सुनना- ध्यान से सुनना; कान फाड़कर सुनना- एकाग्र होकर सुनना; कान फुकवाना- गुरु से मंत्र लेना; कान फूंकना- दीक्षा देना; कान फटना- कड़े शब्द सुनते सुनते जी ऊबना; कान फूटना-दे., 'कान फटना', 'कान का पर्दा फटना'; कान फोड़ना- शोर मचा कर कानों को कष्ट देना; कान बजना-कान में वायु के कारण सांय सांय शब्द होना; कान बहना-कान से पीब निकलना; कान बीधना-कान छेदना; कान भर जाना- सुनते-सुनते जी ऊब जाना; कान भरना-किसी के विरुद्ध किसी के मन में कोई बात बैठा देना; कान मलना- दे. 'कान उमेठना'; कान में तेल डालना- बहरा बन जाना; कान में तेल डाल बैठना-बहरा बन जाना, बेखबर रहना; (कोई बात) कान में डाल देना-सुना देना; (किसी का किसी के) कान लगाना- गुप्त रीति से मंत्रण करना; कान लगाना-ध्यान देना, कानाफूसी करना चुपके चुपके कान में बात कहना; कानावाती करना- चुपके चुपके कान में बात करना; कानों पर हाथ धरना- बिल्कुल इन्कार करना; कानों में उँगली देना- किसी बात से विरक्त होकर उसकी चर्चा से बचना; कानों सुनना न आंखों देखना- पूर्णतः